नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्त्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण प्रथमवर्ष (उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा XI समकक्ष)					
(क) नारदीय शिक्षा - प्रथम प्रपाठक सम्पूर्णम्। (ख) केनोपनिषद् - 1 से 4 अध्याय सम्पूर्णम्। (ग) जैमिनी आर्षेय ब्राह्मणम् एक से सात अध्याय सम्पूर्णम्। (घ) तवलका-जैमिनीयौषनिषद् एक से चार अध्याय सम्पूर्णम्। (ङ) जैमिनी महाब्राह्मणम् - प्रथम काण्ड के 1 से 50 मन्त्र (च) निघण्टु - 03 अध्याय से सम्पूर्णम् (मूल मात्र) (छ) निरुक्त - 1 अध्याय सम्पूर्णम् (सभाष्यव्याख्या)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 1 सम्पूर्ण	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) केनोपनिषद्(अध्याय 1 सम्पूर्ण)	09 मन्त्र		
		(ग) निघण्टु 3 अध्याय	01 से 20 श्लोक		
2	द्वितीय पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 2 सम्पूर्ण	5	
		(ख) केनोपनिषद्	अध्याय 2 सम्पूर्ण		
		(ग) निघण्टु 3 अध्याय	21 से सम्पूर्ण		
3	तृतीय पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 3 सम्पूर्ण	5	
		(ख) केनोपनिषद्	अध्याय 3 सम्पूर्ण		
		(ग) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 1 सम्पूर्ण		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 4 सम्पूर्ण	5	
		(ख) केनोपनिषद्	अध्याय 4 सम्पूर्ण		
		(ग) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 2 सम्पूर्ण		
5	पञ्चम पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 5 सम्पूर्ण	5	
		(ख) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 3 सम्पूर्ण		
		(ग) आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 1 सम्पूर्ण		
6	षष्ठ पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 6 सम्पूर्ण	5	
		(ख) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 4 सम्पूर्ण		
		(ग) जैमिनीय आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 2 सम्पूर्ण		
7	सप्तम पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 1 से 6 सम्पूर्ण	5	
		(ख) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 5 सम्पूर्ण		
		(ग) आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 3 सम्पूर्ण		

8	अष्टम पक्ष	(क) नारदीय शिक्षा (प्रथम प्रपाठक)	कंडिका 7 एवं 8 सम्पूर्ण	5	
		(ख) निरुक्त 1 अध्याय	पाद 6 सम्पूर्ण		
9	नवम पक्ष	(क) आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 4 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या1		
10	दशम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र 2 से 4	5	
		(ख) जैमिनी आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 5 सम्पूर्ण		
11	एकादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र 5-8 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 1 अनुवाक 1-6		
		(ग) जैमिनी आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 6 सम्पूर्ण		
12	द्वादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र 9 - 14 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 1 अनुवाक 7 से 12		
		(ग) जैमिनी आर्षेय ब्राह्मण	अध्याय 7 सम्पूर्ण		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र 15-18 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 1 अनुवाक 13 से 18		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र 19-20 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 2 अनुवाक 1 से 13 सम्पूर्ण		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र संख्या 21-25 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 3 अनुवाक 1 से 5		
16	षोडश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र संख्या 26-30 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 3 अनुवाक 6 से 11		

17	सप्तदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र संख्या 31-40 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 3 अनुवाक 12 से 17		
18	अष्टादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 में मन्त्र संख्या 36-40 सम्पूर्ण	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 4 अनुवाक 1 से 6		
19	नवदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 41-45 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 4 अनुवाक 7 से 12		
20	विंश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 46-50 सम्पूर्ण	5	
		(ख) जैमिनी उपनिषद्	अध्याय 4 अनुवाक 13 से 19 सम्पूर्ण		
नोट -कण्ठस्थीकरण उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की , 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।				100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदविभूषण द्वितीयवर्ष (उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा XII समकक्ष)

(क) नारदीय शिक्षा - द्वितीय प्रपाठक सम्पूर्णम्।
(ख) जैमिनी महाब्राह्मणम् - 1 काण्ड सम्पूर्ण (मन्त्र संख्या 51 से 364 पर्यन्त)
(ग) ऊह उषाणि गायन में अग्निष्टोमपर्व एवं अतिरात्र पर्व (मन्त्र सं. 1-38 एवं 39-86)
(घ) निरुक्त - 2 अध्याय सम्पूर्णम्

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 51-65	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 1 सम्पूर्ण		
2	द्वितीय पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 66-80	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 2 सम्पूर्ण		
3	तृतीय पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र संख्या 81-95	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 3 सम्पूर्ण		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं 96 -110	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 4 सम्पूर्ण		
5	पञ्चम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 111-120	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 5 सम्पूर्ण		
6	षष्ठ पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 121-135	5	

		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 6 सम्पूर्ण		
7	सप्तम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 136-150	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 7 सम्पूर्ण		
8	अष्टम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 151-165	5	
		(ख) नारदीय शिक्षा (द्वितीय प्रपाठक)	कंडिका 8 सम्पूर्ण		
9	नवम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 166-180	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 1 सम्पूर्ण		
10	दशम पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 181-195	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 2 सम्पूर्ण		
11	एकादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 196-210	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 3 सम्पूर्ण		
12	द्वादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 211-225	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 4 सम्पूर्ण		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 226-240	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 5 सम्पूर्ण		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 241-255	5	

		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 6 सम्पूर्ण		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 145-270	5	
		(ख) निरुक्त -द्वितीय अध्याय	अध्याय 2 पाद 7 सम्पूर्ण		
16	षोडश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 271-295	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) ऊहगानम्	अग्निष्टोमपर्व मन्त्र 1 से 7		
17	सप्तदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 296-310	5	
		(ख) ऊहगानम्	अग्निष्टोमपर्व मन्त्र 8 से 14		
18	अष्टादश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 311-330	5	
		(ख) ऊहगानम्	अतिरात्रपर्व मन्त्र 1 से 8		
19	नवदश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 331-350	5	
		(ख) ऊहगानम्	अतिरात्रपर्व मन्त्र 9 से सम्पूर्ण		
20	विंश पक्ष	(क) जैमिनी महाब्राह्मण	काण्ड 1 मन्त्र सं. 351-364	5	
नोट -कण्ठस्थीकरणउच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक , की100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।				100 अंक	